Rohtas Mahila College, Sasaram, 5-5-20, Tue
Dr. Aman Mishra, Dept of Psychology, B.A part II pr III
2019-20

(meaning of frequency - बारंबारता का अर्थ)

उत्तर :- किसी घटना के घटने की संख्या को बारंबारता (frequency) कहते हैं। मान लेकि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 9 बार भूकंप हुए तो हम कहेंगे कि भारत में 2003 में घटित होने वाले भूकम्प की बारंबारता 9 है। इसी तरह यदि एक परीक्षा में 70 लड़के प्रथम श्रेणी में 50 लड़के द्वितीय श्रेणी में तथा 10 लड़के तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण होते हैं तो हम कहेंगे कि प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणियों में उत्तीर्ण होने वाले लड़कों की बारंबारता क्रमशः 70, 50, और 10 है।

चैपलिन के अनुसार - बारंबारता की परिभाषा इस प्रकार दी गयी है - कोई प्राप्तांक या घटना जितनी बार घटती है, उसकी संख्या को बारंबारता कहते हैं।

(What is frequency Distribution बारंबारता वितरण क्या है)

उत्तर :- बारंबारता वितरण वह प्रविधि या विधि है, जिसके द्वारा बारंबारता को संख्या के रूप में क्रमबद्ध प्रस्तुत किया जाता है। यहाँ प्राप्तांकों के प्रसार या वर्ग के अनुसार बारंबारता का वितरण किया जाता है जिससे पता चलता है कि किस वर्ग में घटना की कितनी संख्या अर्थात कितनी बारंबारता है।

चैपलिन (Chaplin) के अनुसार - बारंबारता वितरण से प्राप्तांकों के दिए गए वर्गान्तर या प्रसार में पड़ने वाली घटनाओं की गणना का बोध होता है।

अतः सुविधा के अनुसार या आवश्यकता के अनुसार बारंबारताओं को विभिन्न वर्गों अथवा श्रेणियों में वितरित करने वाली कथनों को बारंबारता वितरण कहा जाता है। इसी तरह बारंबारता का योगफल ही N (प्राप्तांकों की कुल संख्या) होता है।

— x —

Date- 05 05 20 - TUE

~~(बारंबारता वितरण की आवश्यकता या महत्व Topic)~~

उत्तर :- बारंबारता वितरण की आवश्यकता या महत्व को निम्न बातों से दी जा सकती है।

(i) बारंबारता वितरण की पहली आवश्यकता यह है कि इससे प्राप्तांक संगठित बन जाते हैं। जब तक प्राप्तांक अपने मूल आंकड़े के रूप में होते हैं तब तक वे असंगठित रहते हैं और जब उन्हें बारंबारता वितरण विभिन्न वितरण सारणी में सजा दिया जाता है तो वे संगठित बन जाते हैं।

(ii) बारंबारता वितरण की दूसरी महत्व यह है कि इससे प्राप्तांक अधिक अर्थपूर्ण तथा सार्थक बन जाते हैं। जब तक प्राप्तांक अपने मूल रूप में होते हैं तब तक वे अधिक स्पष्ट सार्थक तथा उद्देश्यपूर्ण नहीं होते हैं लेकिन जब उन्हें बारंबारता वितरण सारणी में बदल दिया जाता है तो वे अधिक सार्थक तथा अर्थपूर्ण बन जाते हैं।

(iii) बारंबारता वितरण की तीसरी महत्व यह है कि इससे मूल आँकड़ों का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है। जब तक आँकड़े मूल रूप में होते हैं, तब तक उसका स्वरूप अस्पष्ट रहता है। लेकिन जब उन्हें बारंबारता वितरण के रूप में उन्हें सजा दिया जाता है तो उनका स्वरूप बिलकुल स्पष्ट हो जाता है।

(iv) बारंबारता वितरण का चौथा महत्व यह है कि इससे किसी वर्ग या समूह के सदस्यों के तुलनात्मक अध्ययन में मदद मिलती है।

(v) बारंबारता वितरण का पाँचवा महत्व यह है कि इसकी सहायता से विभिन्न समूहों के तुलनात्मक अध्ययन में सहायता मिलती है।

— x —

Scanned with CamScanner